



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 189] नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 6, 1989/चैत्र 16, 1911
No. 189] NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 6, 1989/CHAITRA 16, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

राजस्व विभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1989

सं० 18/89—केंद्रीय उत्पाद-शुल्क (एन० टी०)

सा० का० नि० 431(अ):— केंद्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उस प्रथा के अनुसार जो
केंद्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उत्पाद-शुल्क के
उद्ग्रहण की बाबत (जिसके अन्तर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाना भी है) साधारणतया प्रचलित थी, केंद्रीय

उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के शीर्ष/सं० 38.01 या 38.09 के अन्तर्गत आने वाले परिसज्जा कर्मक, रंगाई को त्वरित करने या रंजक-द्रव्यों के स्थायीकरण के लिए रंजक वाहक और अन्य उत्पाद तथा विनिमित्तियों, जो इस प्रकार की हों, कि उनका टेक्सटाइल उद्योग में उपयोग किया जा सके हो। (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है। और जिनके टेक्सटाइल और टेक्सटाइल की वस्तुओं के विनिर्माण के लिए उत्पादन के कारखाने में उपयोग किया जाता है, पर उत्पाद-शुल्क 28 फरवरी, 1986 को प्रारंभ होने वाली और 2 सितम्बर, 1987 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान, उक्त धारा 3 के अधीन उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर उक्त माल पर उक्त अधिनियम के अधीन संवेद्य संपूर्ण उत्पाद-शुल्क उस उक्त माल की बाबत संदाय किया जाना अवश्य नहीं होगा जिस पर उक्त उत्पाद-शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया गया था।

[एफ० सं० 95/6/87-सीएक्स-3,

एस० सी० जाना, अवसर सचिव।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 6th April, 1989

NOTIFICATION

NO. 18/89-CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 431(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on finishing agents, cycle-carriers to accelerate the curing or fixing of cycle-stuffs and other products and preparations of a kind used in the textile industry (hereafter referred to as the said goods), falling under heading No. 38.01 or 38.09 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and used in the factory of production for the manufacture of textiles and textile articles, was not being levied under the said section 3, during the period commencing on the 28th day of February, 1986 and ending with the 2nd day of September, 1987;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first-mentioned Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under the said Act on the said goods, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of the said goods on which the said duty of excise was not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 95/6/87-CX.3]

S.C. JANA, Under Secy.